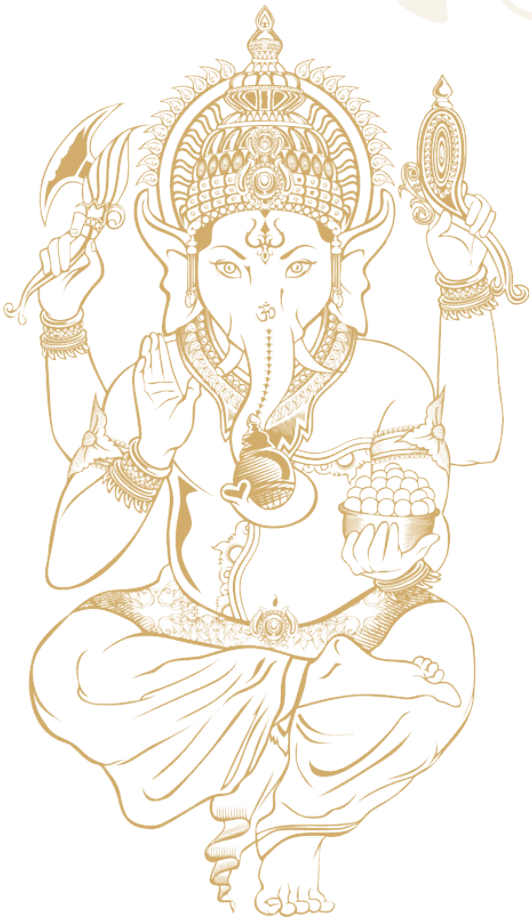

Lalit kumawat

04 Feb 1998

11:30 AM

Jaipur

Model: Varshphal-2017

Order No: 121159401

तिथि 04/02/1998 **समय** 11:30:00 **वार** बुधवार **स्थान** Jaipur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:49:45
अक्षांश 26:53:00 उत्तर **रेखांश** 75:50:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:26:40 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	20:00:09 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:13:56 घं	योनि	गज
सूर्योदय	07:10:57 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	18:10:29 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2054	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1919	वर्ग	मृग
मास	माघ	युँजा	पूर्व
पक्ष	शुक्ल	हंसक	अग्नि
तिथि	8	जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
नक्षत्र	भरणी	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-स्वर्ण
योग	शुक्ल	होरा	मंगल
करण	बव	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी
शुक्र 2वर्ष 2मा 13दि
राहु
20/04/2023
20/04/2041

राहु	31/12/2025
गुरु	26/05/2028
शनि	02/04/2031
बुध	19/10/2033
केतु	07/11/2034
शुक्र	06/11/2037
सूर्य	01/10/2038
चन्द्र	01/04/2040
मंगल	20/04/2041

योगिनी
भद्रिका 0वर्ष 6मा 18दि
भ्रामरी
24/08/2025
24/08/2029

भ्रामरी	02/02/2026
भद्रिका	24/08/2026
उल्का	25/04/2027
सिद्धा	03/02/2028
संकटा	24/12/2028
मंगला	02/02/2029
पिंगला	24/04/2029
धान्या	24/08/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			16:21:17	मेष	भरणी	1	शुक्र	चंद्र	---	0:00			
सूर्य			21:23:03	मक	श्रवण	4	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि	1.53	मातृ	पितृ	विपत
चंद्र			25:11:48	मेष	भरणी	4	शुक्र	बुध	सम राशि	1.16	आत्मा	मातृ	जन्म
मंगल			13:56:22	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	बुध	सम राशि	1.37	पुत्र	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध		अ	08:43:13	मक	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	शुक्र	सम राशि	1.14	ज्ञाति	ज्ञाति	सम्पत
गुरु			06:07:22	कुंभ	धनिष्ठा	4	मंगल	चंद्र	सम राशि	1.13	कलत्र	धन	क्षेम
शुक्र	व		24:41:35	धनु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	बुध	सम राशि	1.11	अमात्य	कलत्र	जन्म
शनि			21:52:19	मीन	रेवती	2	बुध	सूर्य	सम राशि	0.83	भ्रातृ	आयु	मित्र
राहु	व		16:59:13	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि		---	ज्ञान	जन्म
केतु	व		16:59:13	कुंभ	शतभिषा	4	राहु	शुक्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

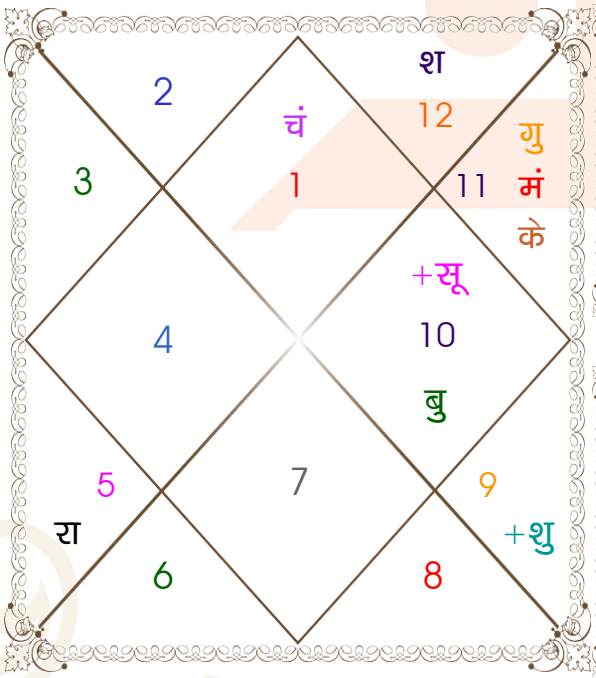

चन्द्र कुंडली

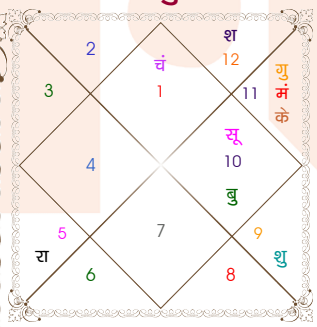

नवमांश कुंडली

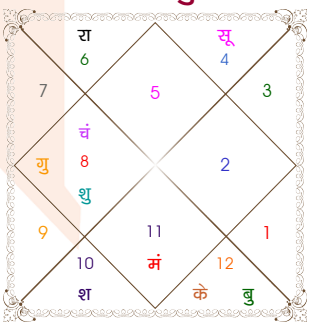

सर्वाष्टकवर्ग

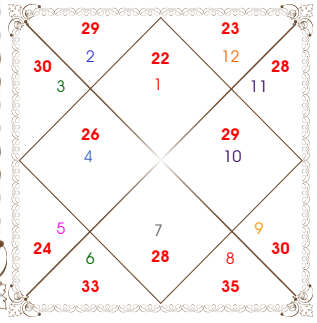

दशमांश कुंडली

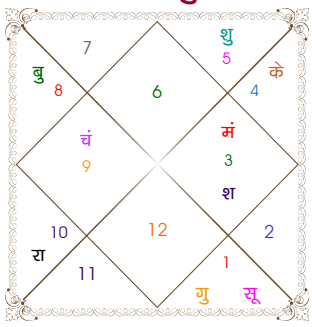

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं सांसारिक महत्व के कार्य उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही आपके सभी रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपको वांछित सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा संतति पक्ष से भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा आपके सभी कार्य बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके भाग्योदय में भी वृद्धि होगी तथा भौतिक सुख संसाधन तथा वाहनादि को प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा इसमें विस्तार या नवीन कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी फलतः समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश बढ़ेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इससे आपको कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति होगी परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। साथ ही मानसिक स्थिति भी आपकी अच्छी रहेगी एवं शान्तिपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आपके लिए समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा समस्याओं का समाधान तथा शत्रुओं का सामना करने में आप समर्थ रहेंगे तथा सफलता भी आपको प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष सामान्य रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा परन्तु सामान्य स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा। इस समय आपके कुछ रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता प्राप्त होगी।

इस वर्ष में व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति सामान्य रहेगी तथा यदा कदा इसमें समस्याएं भी उत्पन्न होंगी अतः ऐसे समय में अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या राजनीति में भी आप की पदोन्नति हो सकती है परन्तु इसमें विलम्ब हो सकता है। व्यापार के क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक सफलताएं भी प्राप्त होंगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों तथा सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके साथ ही इस वर्ष में आपको किसी विशिष्ट लाभ की भी प्राप्ति होगी। अतः सफलताएं अर्जित करने के लिए प्रयत्नशील रहें।

प्रथम मास

04/02/2026 15:55:16 से 06/03/2026 10:04:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	23:05:18
सूर्य		मकर	श्रवण	21:23:03
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:12:51
मंगल		मकर	श्रवण	15:11:39
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	01:20:02
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:46:00
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	28:15:43
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:45:40
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:48:46
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:48:46
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:21:17

मासाधिपति

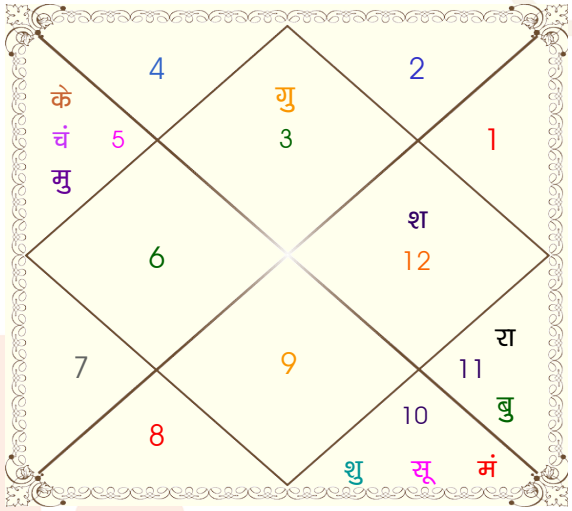

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे।साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा।धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

द्वितीय मास

06/03/2026 10:04:24 से 05/04/2026 15:01:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	25:56:34
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:23:03
चन्द्र		कन्या	चित्रा	23:38:06
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	08:36:32
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:54:34
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:54:11
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:27:17
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:07:26
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:44:14
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:44:14
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:51:17

मासाधिपति

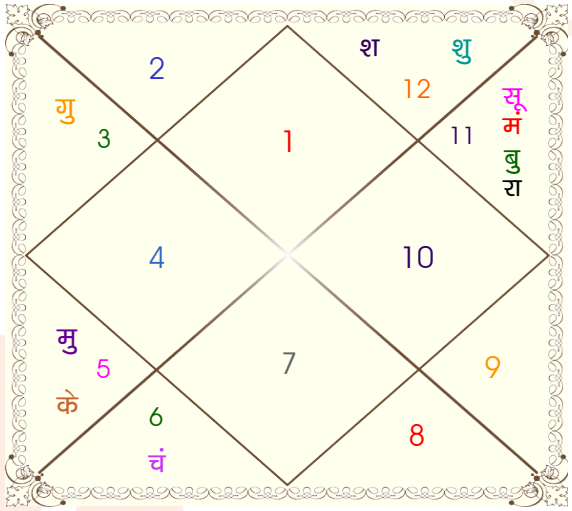

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास

05/04/2026 15:01:26 से 06/05/2026 08:26:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	02:27:46
सूर्य		मीन	रेवती	21:23:03
चन्द्र		तुला	विशाखा	28:46:39
मंगल		मीन	पू०भाद्रपद	02:19:42
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:40:24
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:52:10
शुक्र		मेष	अश्विनी	12:49:24
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:52:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:08:57
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:08:57
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:21:17

मासाधिपति

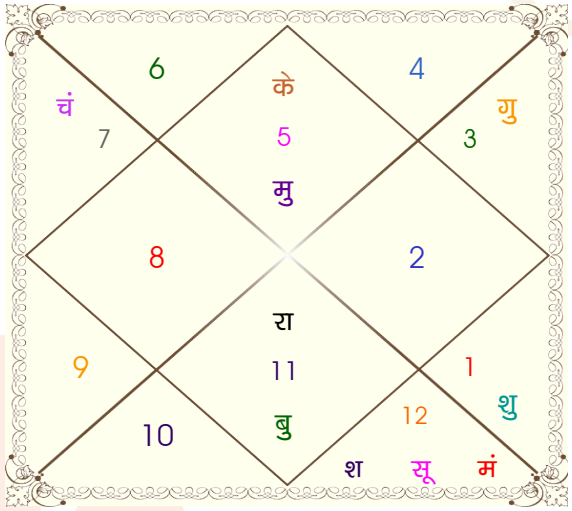

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

चतुर्थ मास
06/05/2026 08:26:45 से 06/06/2026 12:39:29 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	02:43:52
सूर्य		मेष	भरणी	21:23:03
चन्द्र		धनु	मूल	09:39:05
मंगल		मीन	रेवती	26:03:47
बुध		मेष	अश्विनी	11:41:10
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:25:39
शुक्र		वृष	रोहिणी	20:15:11
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:29:18
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:50:21
केतु	व	सिंह	मघा	11:50:21
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:51:17

मासाधिपति

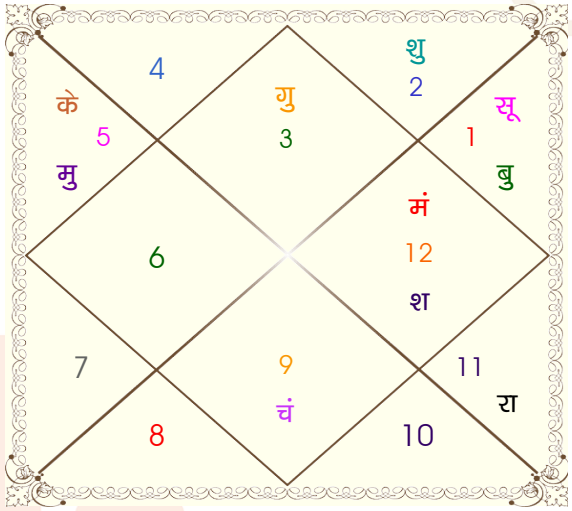

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास

06/06/2026 12:39:29 से 07/07/2026 22:53:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:59:25
सूर्य		वृष	रोहिणी	21:23:03
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	26:42:34
मंगल		मेष	भरणी	19:26:45
बुध		मिथुन	आर्द्रा	13:21:51
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:51:19
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	27:24:26
शनि		मीन	रेवती	18:26:50
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:42:06
केतु	व	सिंह	मघा	08:42:06
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:21:17

मासाधिपति

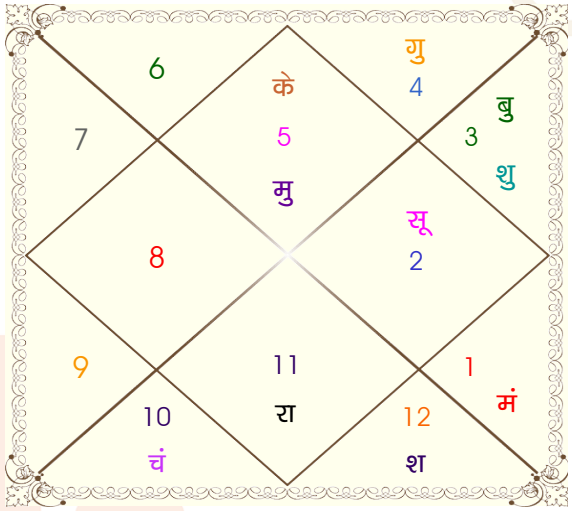

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रूके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं सम्सत सांसारिक कार्यो को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय आपके आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

षष्ठ मास

07/07/2026 22:53:57 से 08/08/2026 08:37:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:20:40
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	21:23:03
चन्द्र		मीन	रेवती	20:17:54
मंगल		वृष	रोहिणी	12:05:15
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:44:13
गुरु		कर्क	पुष्य	07:23:00
शुक्र		सिंह	मघा	03:32:21
शनि		मीन	रेवती	20:12:37
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	06:30:45
केतु		सिंह	मघा	06:30:45
मुंथा		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:51:17

मासाधिपति

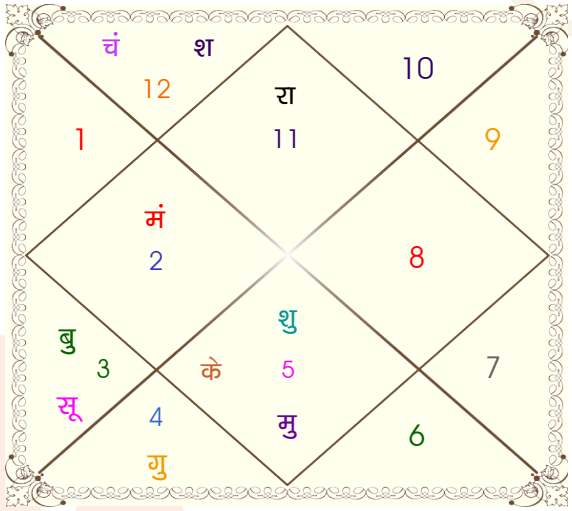

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपमें उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकते है। आपके मन में इस मास में लोभ के भाव की बहुलता रहेगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से संबधों में इस समय तनाव रहेगा तथा मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। अतः हृदय से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य सामाजिक जनों से भी परस्पर वाद विवाद होते रहेंगे अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करना चाहिए जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं इनसे आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

सप्तम् मास

08/08/2026 08:37:02 से 08/09/2026 11:25:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:09:42
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	21:23:03
चन्द्र		वृष	रोहिणी	18:21:00
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	03:37:28
बुध		कर्क	पुष्य	03:24:40
गुरु		कर्क	पुष्य	14:18:23
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:06:23
शनि	व	मीन	रेवती	20:23:24
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:38:56
केतु	व	सिंह	मघा	05:38:56
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:21:17

मासाधिपति

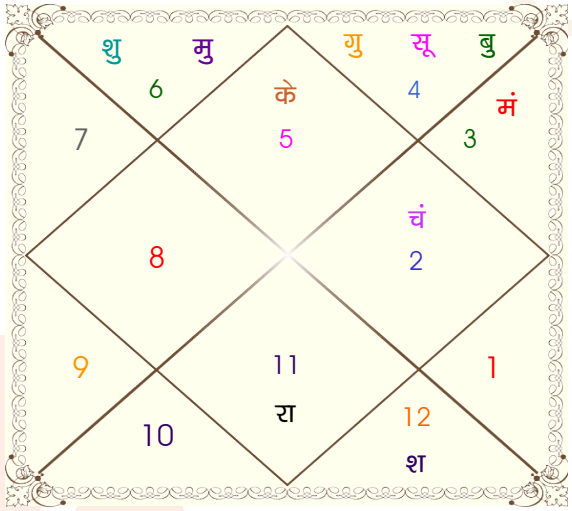

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
08/09/2026 11:25:38 से 09/10/2026 02:59:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	00:12:30
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:23:03
चन्द्र		कर्क	पुष्य	13:33:48
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	23:43:10
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:35:37
गुरु		कर्क	आश्लेषा	20:58:15
शुक्र		तुला	चित्रा	04:21:26
शनि	व	मीन	रेवती	19:00:35
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:34:46
केतु		सिंह	मघा	05:34:46
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:51:17

मासाधिपति

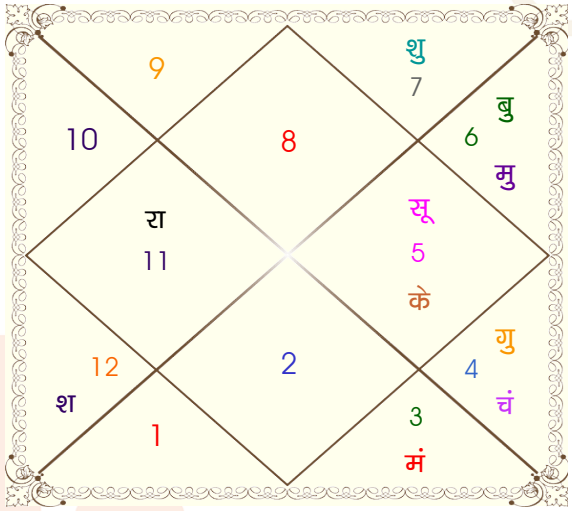

मासाधिपति : बुध

इस मास को आप सुख तथा प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होते रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी इस मास में आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन भी पूर्ण प्रसन्न रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आप रूचिशील रहेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में आपको मनोच्छित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा तथा प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में यश तथा सम्मान प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।अतः इस मास को आप सुखपूर्वक व्यतीत करेंगे।

नवम् मास
09/10/2026 02:59:38 से 08/11/2026 06:09:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	05:24:10
सूर्य		कन्या	हस्त	21:23:03
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:49:46
मंगल		कर्क	पुष्य	11:59:33
बुध		तुला	स्वाति	16:09:32
गुरु		कर्क	आश्लेषा	26:43:34
शुक्र	व	तुला	स्वाति	13:38:29
शनि	व	मीन	रेवती	16:43:30
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:49:29
केतु	व	सिंह	मघा	04:49:29
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:21:17

मासाधिपति

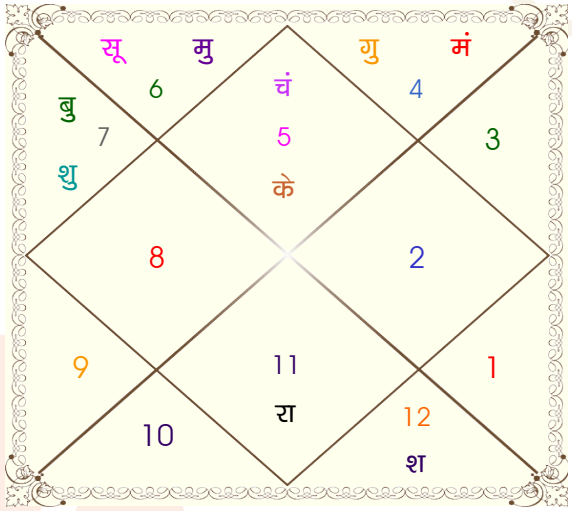

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप अपने पराकम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
08/11/2026 06:09:10 से 07/12/2026 23:01:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	13:38:40
सूर्य		तुला	विशाखा	21:23:03
चन्द्र		तुला	स्वाति	06:48:52
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:50:33
बुध	व	तुला	स्वाति	13:48:45
गुरु		सिंह	मघा	00:53:01
शुक्र	व	कन्या	चित्रा	29:21:42
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:38:19
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:14:24
केतु	व	सिंह	मघा	02:14:24
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:51:17

मासाधिपति

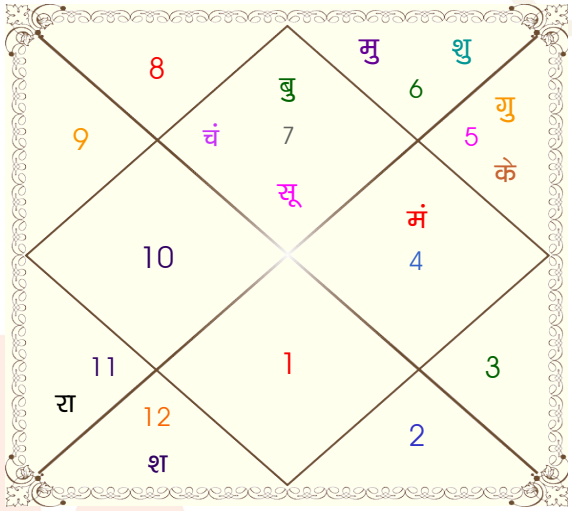

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए अशुभ अधिक तथा शुभ अल्प मात्रा में रहेगा। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति प्राप्त होगी जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगे।साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य कठिन परिश्रम करने के बाद भी सफल नहीं होंगे। इस मास में धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको धन हानि होती रहेगी। इस समय मित्रों एवं बन्धुओं से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव रहेगा। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त शत्रुपक्ष से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को प्रारम्भ करेंगे उसी में असफलता मिलेगी। अतः संयम पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से वांछित सहयोग अर्जित करेंगें तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि को भी प्राप्त कर सकते है। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा।

एकादश मास

07/12/2026 23:01:21 से 06/01/2027 10:17:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	04:52:46
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:23:03
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	06:59:10
मंगल		सिंह	मघा	10:03:23
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	07:50:45
गुरु		सिंह	मघा	02:44:33
शुक्र		तुला	स्वाति	08:02:17
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:42:18
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	28:51:15
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	28:51:15
मुंथा		कन्या	हस्त	11:21:17

मासाधिपति

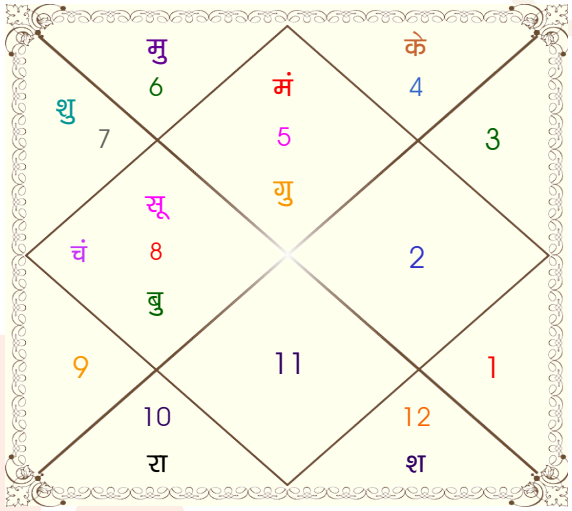

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपके परिवार तथा मित्र जनों से मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप यथोचित आदर प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मिष्ठान्न के प्रति आपकी तीव्र रूचि रहेगी। शारीरिक बल की भी आप में पूर्णता रहेगी एवं शत्रुओं को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे।स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा अतः आपका गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। इसके अलावा व्यापारादि कार्यों से भी आप अतिरिक्त धन अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

द्वादश मास

06/01/2027 10:17:43 से 04/02/2027 22:00:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	12:47:05
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:23:03
चन्द्र		धनु	मूल	03:32:49
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:04:24
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:04:53
गुरु	व	सिंह	मघा	01:50:56
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	04:32:49
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:18:52
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:43:04
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:43:04
मुंथा		कन्या	हस्त	13:51:17

मासाधिपति

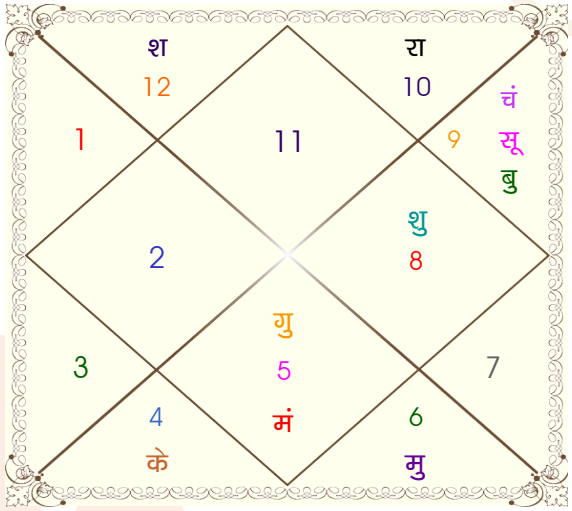

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे तथा शुभ फल अल्प मात्रा में होंगे। इस समय शत्रुपक्ष के प्रबल होने से उनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा चिन्तित भी रहेंगे।साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा विभिन्न प्रकार से व्यवधान आते रहेंगे।साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी परेशान रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्ट हो सकते है।साथ ही आपकी कोई दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में भी आप असफल रहेंगे तथा किसी मुकद्दमे आदि में धन हानि की भी संभावना रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।अतः सावधानी तथा बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में समय समय पर आप शुभ फल भी अर्जित कर सकेंगे। इसके प्रभाव से आप स्त्री का पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा जिससे आपके कई कार्य बुद्धिमता से पूर्ण होंगे तथा धनार्जन में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखकर समाज में आदर प्राप्त करेंगे।